मूल्य 1 रु.
वर्षः 13 - अंक : 261, मुंबई, शुक्रवार, 8 दिसंबर, 2023 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक
मुंबई हलचल
भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त R
अब हर सच होगा उजागर

महाराष्ट्र में नवाब मलिक को लेकर

विवाद

डिप्टी सीएम फडणवीस ने अजित पवार को लिखी चिट्ठी

जताई नाराजगी

मुंबई हलचल / संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र के सियासत में फिर से गर्माहट आती दिख रही है। प्रदेश के दोनों उपमुख्यमंत्रियों में नवाब मलिक को लेकर आपसी खींचतान शुरू हो गई है। सत्ताधारी गठबंधन महायुति में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के नेता नवाब मलिक की एंट्री को लेकर दोनों में विवाद की स्थिति बन रही है। इस मसले पर बीजेपी नेता और उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने एनसीपी नेता अजित पवार को पत्र लिखकर नवाब मलिक को गठबंधन में शामिल किए जाने की कोशिश का पुरजोर विरोध किया है। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

सत्ताधारी गठबंधन के साथ बैठे थे नवाब मलिक

यह मामला तब शुरू हुआ जब नवाब मलिक विधानसभा के शीतकालीन सत्र में आज सत्ताधारी गठबंधन के विधायकों के साथ बैठे नजर आए थे, इसके बाद प्रदेश के उपमुख्यमंत्री और बीजेपी के दिग्गज नेता देवेंद्र फडणवीस ने राज्य के दूसरे डिप्टी सीएम अजित पवार को पत्र लिखा और नवाब मलिक को लेकर अपनी नाराजगी जताई। इस पत्र में फडणवीस ने लिखा है कि सत्ता आती-जाती रहती है, लेकिन देश अहम है। नवाब मलिक से मेरी कोई निजी दुश्मनी नहीं है, लेकिन उनको महायुति गठबंधन में लेना स्वीकार नहीं होगा। अपने पत्र में फडणवीस ने यह भी कहा कि नवाब मालिक को सिर्फ मेडिकल ग्राउंड पर ही जमानत मिली है। जबकि उनके ऊपर देशद्रोहियों से संबंध होने के गंभीर आरोप हैं। एक बार जब वो इस तरह के आरोप से मुक्त हो जाएंगे तब उनका महायुति में स्वागत होगा।

नवाब मलिक को लेकर पवार का रुख साफ नहीं

दूसरी ओर, नवाब मलिक किस गुट में है, इस सवाल के जवाब में अजित पवार से साफ-साफ कुछ नहीं कहा। हालांकि उन्होंने यह जरूर कहा कि सदन के अंदर कौन कहां बैठेगा यह तय करने का अधिकार विधानसभा स्पीकर को होता है। साथ ही उन्होंने यह कहा कि नवाब मलिक किस गुट को समर्थन देना चाहते है, यह उन्हें खुद ही तय करना होगा। नवाब मालिक आज सदन की कार्यवाही के दौरान जिस तरह से सत्ताधारी विधायकों के साथ पीछे की कुर्सी पर बैठे हुए थे। ऐसे में यह कयास लगाए जा रहे हैं कि वह अजित पवार गुट के साथ हो गए हैं। हालांकि उन्होंने इस मसले पर अपनी स्थिति साफ नहीं की है।

मुंबई-अहमदाबाद हाईवे पर कार का टायर फटने से भीषण हादसा

दो की मौत, 5 घायल

मुंबई हलचल / संवाददाता

मुंबई। मुंबई-अहमदाबाद नेशनल हाईवे पर पालघर जिले में एक कार का टायर फटने और दोपहिया वाहन से टकराने से भीषण हादसा हो गया। घटना बुधवार दोपहर करीब डेढ़ बजे हुई। दुर्घटना में दो लोगों की मौत हो गई है और पांच अन्य घायल हो गए। वसई के सकवार में कार क्रमांक एमएच47 के5834 मुंबई अहमदाबाद राष्ट्रीय राजमार्ग से मुंबई की ओर जा रही थी। इसी दौरान कार का अगला टायर फट गया और कार अनियंत्रित होकर पलट गई। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

महाराष्ट्र में सनसनीखेज

वारदात

जोर-जोर से रो रहा था भांजा, मामा ने ड्रम में डुबाकर मार डाला

मुंबई हलचल / संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र से एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जहां मामा ने अपने सगे भांजे को सिर्फ इसलिए मौत के घाट उतार दिया, क्योंकि वह जोर-जोर से रो रहा था। आरोप है कि जब चार साल का बच्चा काफी देर तक चुप नहीं हुआ तो आरोपी मामा ने उसे ड्रम में डुबा दिया। जिससे तड़प-तड़प कर मासूम की मौत हो गयी। जानकारी के मुताबिक, यह सनसनीखेज घटना धुले शहर के फिरदोस नगर की है। पुलिस ने इस मामले में 22 साल के मामा नुरुल अमीन को गिरफ्तार कर लिया है। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

अमेरिका सचमुच गंभीर है

साफ है कि अमेरिका पन्नूं मामले की तह तक जाने को लेकर अडिग है। भारत भी इस मामले में अमेरिका को संभवतः वैसी चुनौती नहीं देना चाहता, जैसा उसने कनाडा के मामले किया था। ऐसे में अब सब कुछ भारतीय जांच की रिपोर्ट पर निर्भर है।

खालिस्तानी कार्यकर्ता गुरपतवंत सिंह पन्नूं की हत्या की कथित कोशिश के मामले में अमेरिका भारत के प्रति कोई रियायत बरतने के मूड में नहीं दिखता। लगभग रोजमर्रा के स्तर पर वहां के सरकारी अधिकारी या प्रवक्ता ऐसे बयान दे रहे हैं, जिनका सार यह होता है कि अमेरिका इस मामले में दबाव बनाए हुए है। ताजा बयान अमेरिकी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर का है, जिन्होंने कहा है कि अमेरिका ने यह मसला सरकार के सबसे वरिष्ठ स्तरों पर उठाया है। मिलर ने यह भी साफ कर दिया कि अमेरिका ने पन्नूं के मामले को कनाडा में हुई खालिस्तानी उग्रवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के मामले से जोड़ दिया है। मैथ्यू ने यह अमेरिकी रुख दोहराया कि उनके देश ने भारत से कनाडा की जांच में सहयोग करने का 'अनुरोध' किया है। इस मामले में भारत में कराई जा रही जांच का स्वागत करते हुए अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकेन ने पिछले हफ्ते कहा था कि उन्हें इसके नतीजे का इंतजार रहेगा। मिलर ने भी इसका जिक्र किया और कहा- भारत ने इस मामले की जांच का सार्वजनिक एलान किया है। हम इसके नतीजों का इंतजार करेंगे, लेकिन यह एक ऐसा मामला है, जिसे हम बहुत गंभीरता से लेते हैं। इसी बीच ये खबर आई है कि अमेरिकी जांच एजेंसी एफबीआई के निदेशक क्रिस्टोफर ए व्रे इस जांच की समीक्षा करने के लिए 11-12 दिसंबर को भारत की यात्रा करेंगे। इस दौरान मुलाकात एनआईए के प्रमुख दिनकर गुप्ता से होगी। इसके पहले इसी हफ्ते अमेरिका के प्रमुख उप राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जॉन फाइनर भारत आए। हालांकि उनकी यात्रा का घोषित मकसद महत्त्वपूर्ण एवं उभरती तकनीक के मामले में भारत-अमेरिका पहल की समीक्षा करना था, लेकिन अमेरिका ने अपने आधिकारिक बयान में कहा कि इस दौरान पन्नूं मामले को भी फाइनर ने उठाया। तो साफ है कि अमेरिका इस मामले की तह तक जाने को लेकर अडिग है। भारत सरकार भी इस मामले में अमेरिका को संभवतः वैसी चुनौती नहीं देना चाहती, जैसा उसने कनाडा के मामले किया था। ऐसे में अब सब कुछ जांच रिपोर्ट के निष्कर्ष पर निर्भर हो गया है।

दिसम्बर माह जन्म दिन पर विशेष

स्वतंत्रता सेनानी मेजर नक्की अहमद चौधरी आजादी हिंद फौज का जांबाज सिपाही

मेजर नक्की अहमद चौधरी, नेता जी सुभाष चंद्र बोस के नेतृत्व वाली भारतीय राष्ट्रीय सेना (आजाद हिंद फौज) के सदस्य नक्की अहमद चौधरी का जन्म 25 दिसंबर, 1914 को वर्तमान मणिपुर राज्य के पूर्वी इंफाल के कीखू गांव में मौलवी अमीरुल्लाह और बीबी खदीजा उर्फ हातोम बीबी के घर हुआ था। उन्होंने कलकत्ता विश्वविद्यालय से मैट्रिक की पढ़ाई की, लेकिन उच्च शिक्षा प्राप्त नहीं कर सके क्योंकि उस समय तक मणिपुर में कोई कॉलेज नहीं था। चूंकि उन्हें युवावस्था से ही समाज सेवा का शौक था, इसलिए वे 'निखिल मणिपुर महासभा' के सदस्य बन गए और इसकी सेवा गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लिया।

उन्होंने 'मैतेई महिला विद्रोह' में भी सक्रिय भूमिका निभाई, जब मणिपुर की महिलाओं ने ब्रिटिश शासकों के अत्याचारों के खिलाफ विद्रोह किया था। 1941 में आजीविका की तलाश में उन्होंने असम राज्य के जोरहाट की यात्रा की, जहां वे ब्रिटिश भारतीय सेना में शामिल हो गए। जब द्वितीय विश्व युद्ध के शुरूआती चरणों में जापान ने अंग्रेजों को हरा दिया और उनके क्षेत्रों पर कब्जा कर लिया, तो ब्रिटिश भारतीय सैनिकों को जापान ने युद्ध बंदी के रूप में पकड़ लिया। ब्रिटिश

भारतीय सेना के भारतीय युद्ध कैदी बाद में सुभाष चंद्र बोस के नेतृत्व में भारतीय राष्ट्रीय सेना में शामिल हो गए। नक्की अहमद को नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने व्यक्तिगत रूप से कुछ विशेष जिम्मेदारियाँ सौंपी थीं। वह सैनिकों से पहले लक्षित क्षेत्रों में पहुंच जाते थे और लोगों को अंग्रेजों के खिलाफ विद्रोह के लिए प्रेरित करते थे, ताकि आजाद हिंद फौज के लिए सकारात्मक माहौल तैयार किया जा सके। इस कार्य को सफलतापूर्वक पूरा करने के बाद, नक्की अहमद को मेजर के रूप में पदोन्नत किया गया। परिस्थिति बदलते ही वह ब्रिटिश जासूसों द्वारा पकड़ लिये गये। उन्हें सैन्य अदालत में मुकदमे का सामना करना पड़ा, जहां उन्हें बरी कर दिया गया। बरी होने के बाद, वह मई, 1946 में अपने मूल स्थान पर लौट आए।

जब वह अपने मूल स्थान पर पहुंचे, तो उनका स्वागत एक स्थानीय ग्राम नेता ने किया, जिन्होंने अपनी सीट से उठकर सार्वजनिक कार्यक्रम में उनका अभिवादन किया। बाद में उन्हें अपने मूल स्थान पर आजीविका के लिए कई विषम नौकरियां करनी पड़ीं। उन्होंने अपना बाद का जीवन छात्रों को भारतीय राष्ट्रीय सेना के नायकों के बलिदानों के बारे में बताने और युवाओं को देश की स्वतंत्रता की रक्षा के प्रति उनकी जिम्मेदारी के बारे में सिखाने में बिताया। मेजर नक्की अहमद चौधरी, जो आजीवन देशप्रमी थे, उनका का 6 दिसंबर, 1996 को निधन हो गया।

संदर्भः द इम्मोर्टल्स, सैयद नसीर अहमद द्वारा
संकलन प्रस्तुति साजिद खान धनपुरी शहडोल म.प्र

लडाकू वक्ता है भारतीय मूल की निक्की!

रिपब्लिकनों के डिबेट्स जारी हैं। वे विदेश नीति, घरेलू मामलों, दोनों युद्धों में क्या ठीक हो रहा है और क्या गलत, गर्भपात संबंधी अधिकारों, लोकतांत्रिक अधिकारों पर, और एक दूसरे के नीचा दिखाने के लिए बहस कर रहे हैं। हाल में हुई चौथी टीवी बहस व्यक्तिगत टकरावों से शुरू हुई और उन्हीं पर खत्म भी। यह सब डोनाल्ड ट्रंप का विकल्प बनने के लिए किया जा रहा है, जो अब तक हुए एक भी डिबेट में शामिल नहीं हुए हैं। बावजूद इसके उम्मीदवारी की दौड़ में सबसे आगे हैं। इकोनोमिस्ट ट्रेकर के अनुसार ट्रंप के निकटतम प्रतिद्वंद्वी रॉन डीसानटिस उनसे बहुत पीछे हैं और ट्रंप को उन पर 51 प्रतिशत की बढ़त हासिल है। जैसे-जैसे आयोवा काकस का समय निकट आ रहा है, लगभग सभी विश्लेषक यह मानकर चल रहे हैं कि डोनाल्ड ट्रंप ही रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार होंगे और संभवतः चुनाव जीतकर दूसरे कार्यकाल के लिए राष्ट्रपति बनेंगे।

हालांकि ट्रंप कानूनी झंझटों में फंसे हुए हैं - चार आपराधिक प्रकरणों में और 91 अन्य अपराधों में झ जिनसे उनके दूसरे कार्यकाल के अरमान पूरे होने में बाधा पड़ सकती है। लेकिन, फिलहाल, 77 वर्षीय ट्रंप बाकी सभी रिपब्लिकनों से आगे हैं। ट्रंप के कार्यकाल में उप-राष्ट्रपति रहे माईक पेंस सहित कई उम्मीदवार मैदान छोड़ रहे हैं। विवेक रामास्वामी, जिनके बारे में कहा जाता था कि वे ट्रंप के अलावा बाकी सभी उम्मीदवारों से आगे रहेंगे झ अपनी

चमक-दमक और गति खोते जा रहे हैं। हालांकि दक्षिण कैरोलिना की पूर्व गवर्नर और ट्रंप के कार्यकाल में संयुक्त राष्ट्रसंघ में अमरीका की राजदूत रहीं निक्की हैली आश्चर्यजनक तेजी से उभर रही हैं। वे मजाकिया हैं और कड़े मुकाबले भरे पिछले तीन डिबेट्स में उनका प्रदर्शन प्रभावशाली रहा है। उनके प्रतिद्वंद्वियों ने लगातार उन पर वार किए। राजनीति में यह आपके आगे बढ़ने का संकेत होता है! डीसानटिस ने पहले से ही हैली द्वारा गवर्नर के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान चीनी निवेश आकर्षित करने के प्रयासों को लेकर उनकी आलोचना करने वाले विज्ञापन देना प्रारंभ कर दिया है, जिसमें और तेजी और तल्खी आने की संभावना है। विवेक रामास्वामी तो शुरूआत से ही उन्हें ट्रोल करते रहे हैं। पिछली रात हुई डिबेट के दौरान एक बार उन्होंने अपना पैड उठाकर दिखाया जिस पर उन्होंने लिखा था निक्की = भ्रष्ट। जब उन्होंने हैली पर ह्यपहचान की राजनीति करने का आरोप लगाया तो श्रोताओं ने उन्हें हूट किया। और जब हैली से पूछा गया कि क्या वे इस आरोप का जवाब देना चाहेंगीं, तो उन्होंने कहा, नहीं। मैं अपना समय बर्बाद नहीं करना चाहूंगी।दर्शकों ने इस पर उन्हें जम कर चीयर किया।

निक्की ने साबित कर दिया है कि वे एक लड़ाकू वक्ता हैं। वे अपने प्रतिद्वंद्वियों पर तीखे प्रहार करती हैं। और आम लोग, प्रचारक और प्रायोजक जिंदादिल निक्की को पसंद कर रहे हैं। उन्हें ऐसे रईस दानदाताओं से भरपूर धन और प्रचार हेतु अन्य संसाधन मिल रहे हैं जो ट्रंप का विकल्प तलाश रहे हैं। इसका नतीजा यह हुआ है कि अब दूसरे स्थान के लिए उनके और फ्लोरिडा के गवर्नर रॉन डीसानटिस के बीच काँटे की टक्कर चल रही है। डीसानटिस को पहले काफी मजबूत माना जा रहा था। निक्की के कुछ समर्थक डीसानटिस को छोड़कर उनके साथ आये हैं तो कुछ दक्षिण कैरोलिना के सीनेटर टिम स्कॉट को छोड़कर। टिम ने 12 नवम्बर को रेस को अलविदा कह दिया था।

लेकिन इस सबके बावजूद, निक्की मतों की दृष्टि से डीसानटिस और ट्रंप से बहुत पीछे हैं। और जैसे-जैसे मुकाबला कड़ा होता जा रहा है, वह अधिकाधिक दिलचस्प भी हो रहा है। ट्रंप को हालांकि अच्छी-खासी बढ़त हासिल है, लेकिन यदि वे लड़खड़ाते हैं या उन्हें जल्दी ही कानूनी कार्यवाही का सामना करना पड़ता है, तो सिर्फ रिपब्लिकन प्रायमरी ही नहीं बदलेंगी आगे का माहौल भी बदलेगा।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोनः**9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादकः **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

24 घंटे में छह बच्चे लापता, एक का ही चला पता

नवी मुंबई के कई इलाकों से 24 घंटे में छह बच्चे लापता होने से अपहरण का केस दर्ज

मुंबई हलचल/शोएब म्यानुंर

मुंबई। महाराष्ट्र के ठाणे जिले में नवी मुंबई के विभिन्न इलाकों से 24 घंटे में चार नाबालिग लड़कियां और दो लड़के लापता हो गए और उनमें से एक का पता लगा लिया गया है। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 12 से 15 साल की उम्र के नाबालिग बच्चे तीन से चार दिसंबर के बीच लापता हुये। एक अधिकारी ने बताया कि छह बच्चों में से सोमवार को कोपरखैरने से लापता हुआ एक 12 वर्षीय लड़का बाद में ठाणे रेलवे स्टेशन पर मिल गया और उसे परिवार को सौंप दिया गया।

कहां से कितने बच्चे हुए लापता?

अन्य मामलों की जानकारी देते हुए अधिकारी ने बताया कलंबोली इलाके की एक 13 वर्षीय लड़की रविवार को अपने सहपाठी के जन्मदिन समारोह में गई और वापस नहीं लौटी। एक अन्य मामले में, पनवेल की एक 14 वर्षीय लड़की रविवार को अपने दोस्त के घर एक धार्मिक सभा में गई और वापस घर नहीं आई। कामोठे इलाके में 12 वर्षीय

एक लड़की सोमवार को अपने घर से बाहर गई थी और उसके बाद लापता हो गई। एक अन्य 13 वर्षीय लड़की सोमवार को स्कूल के लिए रबाले इलाके में अपने घर से निकली थी, लेकिन नहीं लौटी।

अपहरण का मामला दर्ज

अधिकारी ने बताया कि इसके अलावा, रबाले का एक 13 वर्षीय लड़का सोमवार तड़के एक सार्वजनिक शौचालय में गया और तब से उसका कोई पता नहीं चल रहा है। उन्होंने बताया कि संबंधित पुलिस थानों में अपहरण का मामला दर्ज कर लिया गया है और बच्चों का पता लगाने के प्रयास जारी हैं। ये मामला जब से सामने आया है तबसे पुलिस प्रशासन में हडकंप मचा हुआ है। पुलिस इस मामले का पता लगाने के लिए जांच में जुटी हुई है, लेकिन अभी तक सिर्फ एक ही बच्चे का पता चला है।

अब होगा सेक्स रैकेट का पर्दाफाश

मुंबई सिटी क्राइम ब्रांच यूनिट 10 ने अंधेरी एमआईडीसी में सेक्स देह व्यापार रैकेट का भंडाफोड़ किया

दैनिक मुंबई हलचल देगी और भी अधिक जानकारी

मुंबई हलचल/शोएब म्यानुंर

मुंबई। मुंबई पुलिस आयुक्त आईपीएस विवेक फणसलकर, संयुक्त पुलिस आयुक्त (अपराध) आईपीएस लखमी गौतम, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त शशि कुमार मीणा, डीसीपी क्राइम राज तिलक रोशन की देखरेख में और अपराध के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक दीपक सावंत के मार्गदर्शन में शाखा इकाई 10 एपीआई, धनराज चौधरी और टीम ने एमआईडीसी पुलिस स्टेशन अंधेरी पूर्व के क्षेत्राधिकार में सफलतापूर्वक छापा मारा, मरोल में उत्तम ढाबा के बगल में सिल्वर क्लाउड होटल में छापा मारा गया, 1 नाबालिग लड़की को बचाया गया, 1 महिला दलाल और 1 जेंट्स को गिरफ्तार किया गया, पिटा और पोक्सो मामला दर्ज किया गया आगे की जांच एमआईडीसी पुलिस स्टेशन को सौंपी गई। दैनिक मुंबई हलचल की तरफ से मुंबई पुलिस को वहां पर हो रहे सेक्स रैकेट चलाने वालों की और भी अधिक जानकारी दी जाएगी और बहुत जल्द पर्दाफाश किया जाएगा और मुंबई हलचल की तरफ से सेक्स रैकेट के कारोबार को बंद करने की अपील की जाएगी।

(पृष्ठ 1 का समाचार)

महाराष्ट्र में नवाब मलिक को लेकर विवाद

नवाब मलिक के गठबंधन में शामिल किए जाने की सुगबुगाहट को लेकर देवेंद्र फडणवीस ने एनसीपी नेता अजित पवार को पत्र लिखकर कहा कि नवाब मलिक को विधानसभा की कार्यवाही में जरूर भाग लेना चाहिए क्योंकि वो सदन के सदस्य हैं। मैंने पहले ही कहा है कि मेरी उनसे कोई व्यक्तिगत शत्रुता नहीं है लेकिन जिस तरह के आरोप उन पर लगे हुए हैं ऐसे में उनको युति गठबंधन में लेना किसी तरह से स्वीकार नहीं होगा। साथ ही उपमुख्यमंत्री फडणवीस ने यह भी लिखा, वैसे तो पार्टी में किसे लेना है और नहीं लेना है ये आपका निर्णय है। लेकिन महायुति में फिलहाल के तौर पर नवाब मलिक हिस्सा बनें ये स्वीकार नहीं होगा, ऐसे में इस तरह के किसी भी फैसले से महायुति को नुकसान न हो इसका भी ख्याल रखा जाए। उन्होंने यह भी कहा कि उन पर देशद्रोहियों के साथ संबंध होने पर भी पहले की सरकार (महाविकास आघाडी) ने उन्हें मंत्री पद से भी नहीं हटाया था। हम तब भी इस बात से भी सहमत नहीं थे, इसलिए आप हमारी भावना का ख्याल रखें। इस मसले पर एनसीपी के प्रदेश अध्यक्ष (अजित पवार) सुनील तटकरे ने कहा, विधायक नवाब मलिक हमारे सीनियर विधायक हैं। एनसीपी में पिछले कुछ दिनों में हुई घटनाओं से उनका कोई संबंध नहीं। मेडिकल आधार पर बेल पर रिहा होने के बाद उनकी तबीयत की जानकारी लेने के लिए हमारी भेंट हुई। इस दौरान हमने उनके साथ किसी तरह की कोई राजनीतिक चर्चा नहीं की। पुराने साथी होने के नाते उनसे भेट और संवाद होना स्वाभाविक है।ह्व उपमुख्यमंत्री फडणवीस के ट्वीट के बाद अजित पवार गुट की ओर से नवाब मलिक को लेकर यह सफाई दी गई है। अजित पवार ने इस ट्वीट को रिपोस्ट भी किया है।

मुंबई-अहमदाबाद हाईवे पर कार का टायर फटने से भीषण हादसा

इसी दौरान पीछे से आ रही तेज रफ्तार दुपहिया कार से टकरा गई, जिससे दुपहिया चालक और सहयात्री की मौके पर ही मौत हो गई। दोनों को गंभीर चोटे आई हैं। एक पुलिस अधिकारी ने कहा है कि हादसे की आगे की जांच जारी है। मृतकों की पहचान ठाणे के मुंब्रा निवासी इरफान सिद्दीकी (उम्र 36 वर्ष) और मुंबई के गोवंडी निवासी नावेद शेख (उम्र 30 वर्ष) के तौर पर हुई है। इस मामले में मांडवी पुलिस स्टेशन में आकस्मिक मौत का मामला दर्ज किया गया है। हादसे में कार में सवार पांच लोग घायल हो गए। उन्हें तुरंत इलाज के लिए एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस हादसे के कारण कुछ देर के लिए हाईवे पर यातायात बाधित हो गया। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को हटवाकर यातायात सुचारू कराया। मालूम हो कि महाराष्ट्र में सड़क दुर्घटना में होने वाली मौतों में पिछले साल की तुलना में 13 फीसदी का इजाफा हुआ है। तेज रफ्तार वाहन चलाने की वजह से अधिकांश दुर्घटनाये हुई है। सड़क पर होने वाली मौतों के मामले में महाराष्ट्र देश में दूसरे नंबर पर है। एनसीआरबी डेटा रिपोर्ट में यह खुलासा हुआ है।

महाराष्ट्र में सनसनीखेज वारदात

इस मामले में चालीसगांव रोड पुलिस स्टेशन में हत्या का मामला दर्ज किया गया है। फिरदोस नगर के रातरानी चौक की रहने वाली मरियम बी एजाज हुसैन अपने माता-पिता के घर गई थीं। वारदात के दिन मामा और भांजे खेल रहे थे। कुछ देर बाद भांजा मोहम्मद हाजिक एजाज रोने लगा। कथित तौर पर मामा नुरुल अमीन ने भांजे को चुप कराने की बहुत कोशिश की लेकिन वह शांत नहीं हुआ। गुस्से में आकर मामा ने उसे बाथरूम में प्लास्टिक के ड्रम में फेंक दिया। जब काफी देर तक मोहम्मद घर में नहीं दिखा तो उसकी मां मरियम ने उसकी तलाश शुरू की। सारा घर ढूँढ़ने पर भी मोहम्मद नहीं मिला, तो मां परेशान हो गयी। बाद में चार वर्षीय मोहम्मद का शव ड्रम में मिला। ड्रम में सिर पानी में और पैर ऊपर की तरफ था। जब घरवालों ने मामा से इसके बारे में पूछा तो उसने सब कुछ बता दिया। नुरुल अमीन ने बताया कि भांजे की रोने की वजह से उसके सिर में दर्द हो रहा था। इसलिए उसने ऐसा किया। इस बीच परिजन बच्चे को अस्पताल ले गए, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस इस मामले में आगे की जांच कर रही है।

बरैया के समर्थक किसान कांग्रेस महामंत्री ने अपने चेहरे पर पोती कालिख

मुंबई हलचल / भोपाल

दतिया के भांडेर से विधायक चुने गए कांग्रेस नेता फूलसिंह बरैया के समर्थन में किसान कांग्रेस के महामंत्री ने अपने मुंह पर कालिख पोत ली है। बरैया ने भाजपा को चुनौती दी थी कि इस विधानसभा में भाजपा की 50 सीट भी आ गईं तो वह विधानसभा के सामने खड़े होकर अपने मुंह पर कालिख पोत लेंगे।

इस पर बरैया के समर्थन और बचाव में उनका वचन पूरा करने कांग्रेस किसान मोर्चा के महामंत्री योगेश दंडौतिया ने मीडिया के सामने आकर ग्वालियर में अपने मुंह पर काली स्याही पोतकर वचन पूरा करने की बात कही है। अब यह मुद्दा पूरे प्रदेश में चर्चा बना हुआ है। बता दें कि कांग्रेस नेता फूल सिंह बरैया ने मध्य प्रदेश में विधानसभा चुनाव से पहले दावा किया था कि अगर मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव में भाजपा को 50 सीटें भी मिल गईं तो वह राजधानी भोपाल में राजभवन के सामने अपने हाथ से अपना मुंह काला करेंगे।

बरैया ने दिया था बयान

विधानसभा चुनाव के परिणाम में फूलसिंह तो भांडेर से चुनाव जीतकर विधायक बन गए, लेकिन भाजपा की प्रचंड जीत ने उनके दावे को फेल कर दिया। इसके बाद उन्होंने अपने बयान पर कायम रहते हुए कहा है कि वो 7 दिसंबर को अपना मुंह काला करेंगे।

शर्त पर खरा उतरा दावेदार

कांग्रेस के प्रत्याशी बाबू हारे तो गब्बर ने तिरुपति में अपने सिर के बाल के साथ मूंछें भी मुंडवाई

मुंबई हलचल / भोपाल

राजगढ़ जिले में पांचों विधानसभा सीट पर कब्जा जमा चुकी भाजपा की हार की शर्त लगाने वाले अब मुसीबत में हैं। ऐसी ही एक शर्त राजगढ़ विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले खुजनेर नगर में कांग्रेस वा भाजपा समर्थक के बीच भी लगाई गई थी, जिसमें कहा गया था कि यदि कांग्रेस जीतती है तो भाजपा समर्थक और भाजपा जीती तो कांग्रेस समर्थक अपने सिर के बाल और मूंछ मुंडवाएगा।

3 दिसंबर को आए परिणामों में कांग्रेस ने सिर्फ राजगढ़ ही नहीं, बल्कि जिले की पांचों सीटों पर कब्जा जमाया और अपनी शर्त के अनुसार कार्य करते हुए नजर आ रहे हैं। वहीं

- **राजगढ़ विधानसभा क्षेत्र में भाजपा प्रत्याशी जीता को कांग्रेसी ने पूरी की शर्त**

30 नवंबर को दो गवाहों के समक्ष खुजनेर नगर के कमल यादव और गब्बर यादव नामक व्यक्ति के बीच शर्त रखी गई थी कि यदि राजगढ़ विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस का प्रत्याशी जीतेगा तो गब्बर यादव और भाजपा का प्रत्याशी जीतेगा तो कमल यादव अपने सिर के पूरे बाल और मूंछे मुंडवाएंगे।

कांग्रेस समर्थक ने लगाई थी शर्त

ऐसे में भाजपा प्रत्याशी अमर सिंह यादव ने कांग्रेस प्रत्याशी बापू सिंह तंवर को चारों खाने चित करते हुए प्रचंड बहुमत से जीत हासिल की। शर्त के अनुसार कमल नामक यादव नामक व्यक्ति मंगलवार को तिरुपति बालाजी पहुंचा, जहां उसने अपने सिर और मूंछ के बाल मुंडवाने के बाद वीडियो बनाकर वायरल करते हुए कहा कि हमारी शर्त लगी थी जिस पर मैं कायम हुआ और मैंने अपने सिर और मूंछ के बाल मुंडवाकर कांग्रेस को अलविदा भी कहा है।

दोस्तों और साथियों से उधार लेकर लड़ा था विधानसभा चुनाव

भारत आदिवासी पार्टी के विधायक डोडियार अपनी बाइक से पहुंचे भोपाल विधानसभा

मुंबई हलचल / भोपाल

भारत आदिवासी पार्टी के इकलौते चर्चित विधायक कमलेश्वर डोडियार बुधवार को विधायक चुने जाने के बाद भोपाल पहुंच गए हैं। डोडियार रतलाम जिले की सैलाना सीट से विधायक हैं। वह गुरूवार को विधानसभा पहुंचकर जीत का प्रमाणपत्र देंगे और बाकायदे अपनी आमद देने के साथ ही अपना परिचयपत्र जारी करवाएंगे।

विधायक डोडियार ने अपनी बाइक पर एमएलए भी लिखवाया है। डोडियार चुनाव से पहले उस वक्त सुर्खियों में आए थे, जब पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। नामांकन के एक सप्ताह पहले ही वे जेल से छूटकर बाहर आए थे और 12 लाख रुपए का कर्ज लेकर चुनाव लड़े।

अब वेतन से खरीदेंगे कार

विधायक डोडियार ने कहा कि आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है। दोस्तों और साथियों से उधार लेकर चुनाव लड़ा हूं। अब बाइक से भोपाल भी जा रहे हैं। डोडियार का मानना है कि जल्दी ही विधायक की सैलरी से कार खरीद लेंगे, लेकिन अभी हमें बाइक से ही सफर करना होगा।

- आम चुनाव से पहले लेखानुदान पेश होगा
- यह वित्त मंत्री सीतारमण का छठा बजट होगा
- चुनी हुई नई सरकार वित्त वर्ष 2024-25 का पूर्ण बजट पेश करेगी

सीआईआई-वैश्विक आर्थिक नीति मंच को किया संबोधित

फरवरी में पेश होने वाले बजट में कोई 'बड़ी घोषणा' नहीं होगी : सीतारमण

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा है कि एक फरवरी, 2024 को पेश किए जाने वाले बजट में कोई बड़ी घोषणा नहीं होगी। उन्होंने कहा कि यह आम चुनाव से पहले पेश होने वाला लेखानुदान होगा। यह सीतारमण का छठा बजट होगा।

सीतारमण ने सीआईआई-वैश्विक आर्थिक नीति मंच को संबोधित करते हुए कहा कि अगले साल अप्रैल-मई में होने वाले आम चुनावों के बाद चुनी हुई नई सरकार वित्त वर्ष 2024-25 का पूर्ण बजट जुलाई में पेश करेगी। सीतारमण एक फरवरी, 2024 को लोकसभा में एक अप्रैल, 2024 से शुरू होने वाले वित्त वर्ष के लिए अंतरिम बजट पेश करेंगी।

सरकारी खर्च को पूर्ण करेगा लेखाअनुदान

वित्त मंत्री ने कहा, 'यह सच है कि एक फरवरी, 2024 को जो बजट घोषित किया जाएगा। यह सिर्फ लेखानुदान होगा। इसका कारण अप्रैल-मई में होने वाला आम चुनाव है। इसीलिए सरकार जो बजट पेश करेगी वह सिर्फ तबतक के लिए सरकारी खर्चों को पूरा करने को लेकर होगा जबतक कोई नई सरकार नहीं बन जाती।'

बड़ी घोषणाओं के लिए करे पूर्ण बजट तक इंतजार

यह पूछे जाने पर कि क्या वह फरवरी में पेश होने वाले बजट में बड़ी-बड़ी घोषणाएं करेंगी, उन्होंने कहा, 'उस समय (लेखानुदान में) कोई बड़ी घोषणा नहीं होगी। अतः आपको नई सरकार के आने तथा जुलाई, 2024 में पेश होने वाले पूर्ण बजट तक इंतजार करना होगा।'

2019 में पीयूष गोयल ने पेश किया था अंतरिम बजट

अरुण जेटली के बीमार पड़ने के बाद वित्त मंत्रालय का अतिरिक्त प्रभार संभाल रहे पीयूष गोयल ने 2019 में अंतरिम बजट पेश किया था। नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के लगातार दूसरी बार सत्ता में आने के बाद सीतारमण को वित्त मंत्री बनाया गया था। उन्होंने पांच जुलाई, 2019 को पूर्ण बजट पेश किया था।

आर्थिक समीक्षा पेश नहीं होगी

ऐसे करदाताओं को कोई कर देने की जरूरत नहीं होगी, जिनकी सालाना आय पांच लाख रुपये है। बजट से एक दिन पहले हर साल आर्थिक समीक्षा पेश की जाती है। लेकिन सरकार लेखानुदान से पहले इसे पेश नहीं करती है। अर्थव्यवस्था की स्थिति बताने वाली आर्थिक समीक्षा जुलाई में पेश होने वाले पूर्ण बजट से पहले पेश की जाएगी।

बड़ी नीतिगत घोषणा करने से बचती है सरकार

वास्तव में लेखानुदान के जरिये नई सरकार के कार्यभार संभालने तक कुछ जरूरी खर्च करने के लिए व्यवस्था की जाती है। सरकारें पूर्व में लेखानुदान के दौरान कोई भी बड़ी नीतिगत घोषणा करने से बचती रही हैं लेकिन बड़ी घोषणाएं करने पर कोई संवैधानिक रोक नहीं है।

2019 के अंतरिम बजट में की गई थी ये घोषणाएं

गोयल ने 2019 में पेश अंतरिम बजट में 12 करोड़ किसानों को 6,000 रुपये प्रति वर्ष नकद सहायता दिये की घोषणा की थी। इसके अलावा, मध्यम वर्ग के लिए कर रियायतों की भी घोषणा की थी। इसमें वेतनभोगी वर्ग के लिए मानक कटौती को 40,000 रुपये से बढ़ाकर 50,000 रुपये करना शामिल था। साथ ही, 2019 के अंतरिम बजट में व्यक्तिगत करदाताओं के लिए पांच लाख रुपये तक की कर योग्य वार्षिक आय पर पूरी तरह से कर छूट की घोषणा की गई।

ऑफिस में काम करने वालों की भर्ती में 12 फीसदी की गिरावट

मुंबई हलचल / मुंबई

आईटी-सॉफ्टवेयर, दूरसंचार व शिक्षा क्षेत्रों में भर्ती के नकारात्मक रुझान से अक्टूबर-नवंबर में कार्यालयों में काम करने वाले लोगों की भर्तियों में सालाना आधार पर 12 प्रतिशत की गिरावट आई है। बृहस्पतिवार को एक रिपोर्ट में यह बात सामने आई। नौकरी जॉबस्पीक इंडेक्स के अनुसार, अक्टूबर-नवंबर में कार्यालयों में काम करने वालों की भर्ती में 12 प्रतिशत की गिरावट आई। इस दौरान 2,433 लोगों की भर्तियां की गईं, जबकि 2022 में समान अवधि में 2,781 भर्तियां हुई थीं। नौकरी जॉबस्पीक एक मासिक सूचकांक है जो भारतीय नौकरी बाजार की स्थिति और नौकरी.कॉम के बायोडाटा डेटाबेस पर नौकरी पर रखने वालों द्वारा नई नौकरी सूचीबद्ध करने और नौकरी से संबंधित खोजों के आधार पर भर्ती गतिविधि की जानकारी मुहैया कराता है। दूरसंचार, शिक्षा, खुदरा बिक्री क्षेत्रों में 2022 के समान महीनों की तुलना में अक्टूबर-नवंबर में क्रमशः 18 प्रतिशत, 17 प्रतिशत और 11 प्रतिशत की गिरावट देखी गई।

- **अक्टूबर-नवंबर के लिए जॉबस्पीक ने जारी की रिपोर्ट**

आईटी क्षेत्र में नियुक्तियां 22 फीसदी कम

रिपोर्ट में कहा गया कि अक्टूबर-नवंबर में आईटी क्षेत्र में कुल नियुक्तियां सालाना आधार पर 22 प्रतिशत कम आईं। हालांकि, 2023 की पहली छमाही में पर्याप्त सुधार देखने के बावजूद इस क्षेत्र ने अक्टूबर की तुलना में नवंबर में एक प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की।

विज्ञान भवन में राष्ट्रीय लीडरशिप पुरस्कार समारोह में पहुंची राष्ट्रपति

एआई के कारण नौकरी खोने का भय नहीं हो, सही इस्तेमाल करें: द्रौपदी

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

एआई के सभी आयामों को प्रबंधन शिक्षा से जोड़ने पर भी जोर दिया

उत्पादन बढ़ाने की अंधी दौड़ ने मानवता को नुकसान पहुंचाया

आज पूरा विश्व इस चुनौती से जूझ रहा है, अब बन गई बड़ी समस्या

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि एआई के कारण बहुत से लोगों को नौकरी छूटने की भी चिंता है। जो एआई को जानकर इसका सही इस्तेमाल करेगा, उसे अपनी नौकरी खोने का कोई डर नहीं होना चाहिए। उन्होंने एआई के सभी आयामों को प्रबंधन शिक्षा से जोड़ने की भी जोर दिया। राष्ट्रपति मुर्मू 7 दिसंबर को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में लक्ष्मीपत सिंघानिया आईआईएम लखनऊ राष्ट्रीय लीडरशिप पुरस्कार समारोह को संबोधित कर रही थीं। द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि आईआईएम लखनऊ और इस तरह के अन्य संस्थानों को भी अमृत काल में भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए पाठ्यक्रम बनाना चाहिए।

राष्ट्रपति ने एआई को मैनेजमेंट एजुकेशन से जोड़ने का आह्वान किया और कहा कि जो इसे जानता है और इसका सही तरीके से उपयोग करता है, उसे नौकरी खोने का कोई डर नहीं।

लाभ की अवधारणा पश्चिमी संस्कृति का हिस्सा, भारत में उद्यमिता प्रमुख

राष्ट्रपति ने कहा कि उत्पादन और उत्पादकता बढ़ाने की अंधी दौड़ ने मानवता को नुकसान पहुंचाया है। अधिकतम लाभ की अवधारणा भले ही पश्चिमी संस्कृति का हिस्सा हो लेकिन भारतीय संस्कृति में इस अवधारणा को प्राथमिकता नहीं दी गई है। परन्तु भारतीय संस्कृति में उद्यमिता को प्रमुखता दी गई है।

भारतीय और बहुराष्ट्रीय कंपनियों पर केस स्टडीज पढ़ाई जाए

राष्ट्रपति ने कहा कि देश के अधिक प्रभावी और समावेशी विकास के लिए हमें अपने प्रबंधन शिक्षण संस्थानों की शिक्षा प्रणाली में कुछ बदलाव लाने होंगे। उन्होंने प्रबंधकों, शिक्षाविदों और संगठन प्रमुखों से भारतीय प्रबंधन अध्ययन को भारतीय कंपनियों, उपभोक्ताओं और समाज से जोड़ने का आग्रह किया। उन्होंने इस बात पर जोर देकर कहा कि विदेशों में स्थित व्यवसायों पर केस स्टडीज और लेखों के बजाय, भारत में स्थित भारतीय और बहुराष्ट्रीय कंपनियों पर केस स्टडीज लिखी और पढ़ाई जानी चाहिए। हमारे प्रबंधन संस्थानों को भी अपना शोध भारत स्थित शोध पत्रिकाओं पर केंद्रित करना चाहिए।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से भयभीत न हों

राष्ट्रपति ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के बारे में कहा कि अनेक लोग आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के कारण नौकरी खोने के बारे में भी चिंतित हैं। उन्होंने आग्रह किया कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के सभी पक्षों को प्रबंधन शिक्षा से जोड़ा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि जो आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जानता है और इसका सही इस्तेमाल करता है उसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के कारण नौकरी खोने का भय नहीं होना चाहिए।

भारत सर्वश्रेष्ठ यूनिकॉर्न हब

उन्होंने कहा भारत के युवा स्व-रोजगार की संस्कृति को अपनाने पर खुशी जताते हुए कहा कि भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम है। भारत का नाम दुनिया के सर्वश्रेष्ठ यूनिकॉर्न हब में लिया जाता है। यह हमारे देश के युवाओं के तकनीकी ज्ञान के अलावा उनके प्रबंधन कौशल और व्यावसायिक नेतृत्व का भी उदाहरण है। राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि भारतीय युवा दुनिया की अग्रणी तकनीकी कंपनियों का नेतृत्व भी कर रहे हैं।

सिलक्यारा खोज-बचाओ अभियान सराहनीय

द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि हाल ही में, जिस तरह से उत्तराखंड में सिलक्यारा सुरंग से 41 मजदूरों को निकाला गया है, उसकी न केवल सराहना हो रही है, बल्कि इस पर नेतृत्व अध्ययन की भी बात हो रही है। विशेषकर किसी संकट में नेतृत्व और टीम वर्क के लिए यह बहुत अच्छा और जीवंत विषय है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

उत्तराखंड हलचल

शुक्रवार और शनिवार को दून में गैनित होगा इन्वेस्टर समिट

मुंबई हलचल/ वैभव पेटवाल

देहरादून। मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने 08और 09 दिसंबर को एफआरआई में आयोजित होने वाले डेस्टिनेशन उत्तराखंड ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट की तैयारियों को लेकर आयोजन स्थल पर की गई सभी व्यवस्थाओं का जायजा लिया। 08 दिसंबर को प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी कार्यक्रम का शुभारंभ करेंगे, जबकि गृहमंत्री श्री अमित शाह 9 दिसंबर को समापन कार्यक्रम में शिरकत करेंगे।

मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि डेस्टिनेशन उत्तराखंड ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के तहत अभी 3 लाख करोड़ के करार किए जा चुके हैं, जबकि 44 हजार करोड़ के करारों की ग्राउंडिंग हो चुकी है। उन्होंने कहा कि देवभूमि उत्तराखंड में कार्य करने के लिए निवेशकों द्वारा जो रुचि दिखाई गई है जिससे राज्य की प्रगति में नई ऊर्जा का संचार हो रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षा और चिकित्सा के क्षेत्र में राज्य में कार्य करने की अनेक संभावनाएं, इन क्षेत्रों को विशेष फोकस किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य में ऐसे करारों को सबसे पहले प्राथमिकता दी जा रही है, जिसमें स्थानीय स्तर पर लोगों को सबसे अधिक रोजगार मिल सके।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इन्वेस्टर्स समिट के तहत जो करार हुए हैं, उन्हें धरातल पर उतारने का कार्य तेजी से चल रहा है। अधिकारियों को भी इसकी नियमित समीक्षा करने के निर्देश दिए गए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन्वेस्टर्स समिट में देश और विदेश के बड़े उद्योगपति भाग ले रहे हैं। हेल्थ, वेलनेस, शिक्षा, चिकित्सा, पर्यटन, ऑटोमोबाइल, फार्मा एवं राज्य की आवश्यकतानुसार विभिन्न सेक्टरों पर फोकस किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिन निवेशकों से करार हुए हैं, उनको राज्य में निवेश करने के लिए नीतियों का सरलीकरण भी किया गया है। निवेशकों के सुझावों के आधार पर 27 नई नीतियां बनाई गई हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का मार्गदर्शन राज्य को निरंतर मिल रहा है। इस दशक को उत्तराखंड का दशक बनाने के लिए उनके मार्गदर्शन में राज्य सरकार द्वारा हर क्षेत्र में तेजी से कार्य किए जा रहे हैं। इस अवसर पर मुख्य सचिव डॉ एस एस संधु, अपर मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी, सचिव डॉ आर. मीनाक्षी सुंदरम, श्री शैलेश बगोली, डॉ बी वी आर सी पुरुषोत्तम, सचिव एवं गढ़वाल कमिश्नर श्री विनय शंकर पांडेय, जिलाधिकारी देहरादून श्रीमती सोनिका, महानिदेशक उद्योग श्री रोहित मीणा, महानिदेशक सूचना श्री बंशीधर तिवारी एवं आयोजन की तैयारियों में लगे अधिकारी उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आगामी 8 दिसंबर को उत्तराखंड ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2023 का करेंगे शुभारंभ

मुंबई हलचल/ वैभव पेटवाल

देहरादून। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी आगामी 8 दिसंबर को उत्तराखंड ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2023 का शुभारंभ करेंगे। 8 और 9 दिसंबर को फॉरेस्ट रिसर्च इंस्टीट्यूट देहरादून में चलने वाले इस ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में देश- दुनिया के हजार से अधिक इन्वेस्टर और डेलीगेट्स शामिल होंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 8 दिसंबर को ही ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के उद्घाटन सत्र के बाद वापस दिल्ली लौट जाएंगे। उत्तराखंड सरकार द्वारा इस बार ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट की थीम ह्यपीस टू प्रोस्पेरिटीह्व को रखा गया है। मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट को लेकर सभी तैयारी पूरी हो चुकी हैं। सरकार द्वारा उत्तराखण्ड को निवेश की नई डेस्टिनेशन के रूप में स्थापित करने के उद्देश्य से यह आयोजन किया जा रहा है। प्रदेश सरकार ने ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में ढाई लाख करोड़ के निवेश का लक्ष्य निर्धारित किया था। जिसमें निर्धारित लक्ष्य को पूर्ण कर लिया गया है। इसके अतिरिक्त उद्योग समूहों के साथ एमओयू साइन किए जाने का कार्य गतिमान है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार निवेश के माध्यम से राज्य में रोजगार सृजन एवं स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने हेतु निरंतर कार्य कर रही है। लन्दन, दुबई समेत देश के महानगरों में किये गए रोड शो। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के आयोजन से पहले उत्तराखण्ड सरकार द्वारा 4 इंटरनेशनल और 5 डोमेस्टिक रोड शो आयोजित किए गए। देश से बाहर लंदन,बर्मिघम, अबुधाबी, दुबई में 4 इंटरनेशनल रोड शो हो चुके हैं जबकि देशभर में प्रदेश सरकार दिल्ली, चेन्नई, बेंगलुरु, अहमदाबाद और मुंबई में रोड शो कर चुकी है। बीते 14 सितंबर और 4 अक्टूबर को धामी सरकार दिल्ली में 26575 करोड़, 26 और 27 सितंबर को ब्रिटेन में 12500 करोड़, 17 और 18 अक्टूबर को यूएई में 15475 करोड़ के निवेश का करार कर चुकी है। इसके अलावा 26 अक्टूबर को चेन्नई में 10150 करोड़,

28 अक्टूबर को बेंगलुरु में 4600 करोड़ और 1 नवंबर को अहमदाबाद में 24000 करोड़ के निवेश प्रस्ताव का करार हुआ है। जबकि 5 नवम्बर को मुंबई रोड शो में 30200 करोड़ रुपए के एमओयू किए गए। इसके साथ ही प्रदेश सरकार द्वारा देहरादून- हरिद्वार जनपद का हरिद्वार में और नैनीताल- ऊधमसिंह नगर का रुद्रपुर में ह्वरिजनल कॉन्क्लेवह्व आयोजित किया गया। इसके अतरिक्त सभी 9 जनपदों में भी ह्वडिस्ट्रिक्ट लेबल मिनी कॉन्क्लेवह्व आयोजित किए गए ताकि प्रदेश के अन्य छोटे- बड़े उद्यमियों को भी निवेश हेतु प्रोत्साहित किया जा सके। अब तक प्रदेश सरकार द्वारा जिन निवेशकों से इन्वेंस्टमेंट एमओयू साइन किए गए हैं। उनमें प्रमुखतः टूरिज्म हास्पिटैलिटी सेक्टर, आयुष वेलनेस सेक्टर, मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर, फार्मा सेक्टर, फूड प्रोसेसिंग, रियल एस्टेट-इंफ्रा, पंप्ड स्टोरेज सेक्टर, ग्रीन एंड रिन्यूएबल एनर्जी एवं ऑटोमोबाइल सेक्टर शामिल हैं।

3 केंद्रीय मंत्री, प्रमुख उद्योगपतियों समेत कई विशिष्ट अतिथि होंगे शामिल। इस आयोजन के उद्घाटन सत्र में कई विशिष्ट अतिथियों के शामिल होने का अनुमान है। जिसमें भारत सरकार के तीन केंद्रीय मंत्रीयों के साथ ही राज्य सरकार के 7 कैबिनेट मंत्री, सभी पूर्व मुख्यमंत्री, सांसद, विधायकगण एवं कई विशिष्ट अतिथि भी उपस्थित रहेंगे। उद्घाटन सत्र में 8 प्रमुख वक्ता के रूप में देश के प्रमुख उद्योगपति शामिल रहेंगे। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2023 में 15 महामहिम राजदूत / हैड आफ मिशन-स्पेन, स्लोवानिया, नेपाल, क्यूबा, ग्रीस, आस्ट्रिया, जापान, साउदी अरब आदि शामिल रहेंगे। इसके अतिरिक्त प्रमुख उद्योगपति आदि भी मौजूद रहेंगे। राज्य

44 हजार करोड़ के प्रोजेक्ट्स होंगे ग्राउंड

इस वर्ष राज्य सरकार ने शत- प्रतिशत ग्राउंडिंग का लक्ष्य रखा है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ग्लोबल इन्वेस्टर समिति के उद्घाटन सत्र के दौरान 44000 करोड़ के प्रोजेक्ट्स ग्राउंडिंग का शुभारंभ करेंगे।

प्राविधिक शिक्षा विभाग द्वारा खेलकूद एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन

मुंबई हलचल/ वैभव पेटवाल

देहरादून। उत्तराखंड प्राविधिक शिक्षा विभाग द्वारा आईआरडीटी ऑडिटोरियम में राज्य स्तरीय खेलकूद एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में अपर सचिव प्राविधिक शिक्षा स्वाति भदोरिया ने शिरकत किया इस अवसर पर राज्य के विभिन्न पॉलिटेक्निक कॉलेज के छात्र-छात्राओं द्वारा नृत्य और गान प्रस्तुत किए गए और छात्र-छात्राओं को पुरष्कृत भी किया गया। वही इस अवसर पर निदेशक तकनीकी शिक्षा आर पी गुप्ता ने बताया कि उत्तराखंड के छात्र-छात्राओं का प्रतिभा निकाल करके सामने आए हमारे छात्र छात्राएं तकनीकी शिक्षा से जरूर जुड़े हुए हैं लेकिन उनका चहुमुखी विकास होना चाहिए।

उत्तराखंड में एक वर्ष में 26 प्रतिशत बढ़े महिला अपराध

मुंबई हलचल/ वैभव पेटवाल

देहरादून। तमाम सरकारी-गैर सरकारी प्रयासों के बाद भी उत्तराखंड में महिला अपराध वर्ष दर वर्ष बढ़ता जा रहा है। राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की ताजा रिपोर्ट तो यही बता रही है। इसके तहत वर्ष 2022 में प्रदेश में महिला अपराध का ग्राफ वर्ष 2021 के मुकाबले 26 प्रतिशत ऊपर पहुंच गया। एनसीआरबी की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2021 में महिला अपराध के 3431 मामले सामने आए थे, जबकि वर्ष 2022 में यह संख्या बढ़कर 4337 पहुंच गई, यानी एक वर्ष में 906 मामलों की बढ़ोतरी हुई है। इससे पहले वर्ष 2020 में 2846 मामले सामने आए थे। देश में छठा स्थान महिला अपराध में बढ़ोतरी को लेकर देशभर में स्थिति की बात करें तो उत्तराखंड छठे पायदान पर है। इस मामले में आंध्र प्रदेश सबसे ऊपर है, जहां महिला अपराध में 43.66 प्रतिशत का उछाल आया है। हालांकि, कई राज्य ऐसे भी हैं जहां महिला अपराध में कमी आई है। सबसे अधिक 51 प्रतिशत की कमी असम में आई है। घर के भीतर भी प्रताड़ना एनसीआरबी की रिपोर्ट पर गौर करें तो प्रदेश में बड़ी संख्या में विवाहित महिलाओं को घर के भीतर प्रताड़ना झेलनी पड़ी। वर्ष 2022 में पुलिस के समक्ष 956 ऐसे मामले पहुंचे। इनमें महिलाओं को पति या उसके रिश्तेदार ने पीटा या अन्य प्रकार से प्रताड़ित किया। इसके अलावा 10 मामलों में मारपीट के बाद गर्भपात करा दिया गया। एक एसिड अटैक का मामला भी सामने आया है। यही नहीं, उत्पीड़न से आजिज आकर या अन्य कारणों से वर्षभर में 24 महिलाओं ने आत्महत्या जैसा कदम भी उठाया। अपहरण के मामले भी बढ़े वर्ष 2022 में प्रदेश में महिला अपहरण के मामलों में भी बढ़ोतरी हुई। वर्ष 2021 में 696 अपहरण के मामले सामने आए थे, जबकि वर्ष 2022 में 778 महिलाओं का अपहरण हुआ। दुष्कर्म की कोशिश के भी 18 मामले सामने आए।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

सुबह उठते ही करेंगे ये 2 काम तो स्किन कभी नहीं होगी सांवली

सूर्य की हानिकारक विकिरणों, धूल- मिट्टी, प्रदूषण का बुरा असर सबसे पहले त्वचा पर पड़ता है। इसके कारण त्वचा जल्दी सांवली होने लगती है। त्वचा को प्रदूषण से बचाने और स्किन को साफ करने के लिए आप कई क्रीमों का इस्तेमाल करते तो हैं लेकिन उससे कोई खास फायदा नहीं होता है। इसकी बजाए अगर आप सुबह उठकर सिर्फ २ काम करेंगे तो कई स्किन प्रॉब्लम आपसे दूर रहेंगी और त्वचा सांवली भी नहीं होगी। इससे स्किन को कोई साइड इफेक्ट भी नहीं होगा।

सुबह उठते ही करें ये काम

1. चेहरे को धोना : सुबह उठते ही सबसे पहले अपने चेहरे को ठंडे पानी से अच्छी तरह धो लें। सुबह चेहरे को अच्छी तरह धोने से धूल-मिट्टी और गंदगी साफ हो जाती है। इससे चेहरे पर निखार और चमक आती है। मगर इस बात का ध्यान रखें कि चेहरा धोने के लिए फेसवॉश और साबुन का इस्तेमाल न करें क्योंकि इसमें केमिक्ल होते हैं। यह न सिर्फ चेहरे को नुकसान पहुंचाते है बल्कि इससे स्किन रूखी भी होने लगती है। इसके अलावा इससे चेहरे की चमक भी चली जाती है।

2. ब्रेकफास्ट हल्का-फुल्का खाएं : सुबह के ब्रेकफास्ट में हल्का-फुल्का भोजन करें और मसालेदार भोजन से दूर रहें। मसालेदार भोजन से चेहरे पर दाग-धब्बे और कील-मुहांसे की समस्या हो जाती है। इसके अलावा इससे पेट में गैस, एसिडिटी और कब्ज की शिकायत रहती है, जिसका असर चेहरे पर भी होता है। सुबह के समय हमेशा दलिया, ओट्स, हरी सब्जियां और फलों का सेवन करे। इससे त्वचा पर निखार और चमक बनी रहेगी।

विटामिन और फाइबर का पावरहाउस हैं भिंडी और ये ७ सब्जियां

घर के बड़ेअक्सर बच्चों को सब्जी खाने की नसीयत देते हैं। वहीं, हरी सब्जियों को देखते ही बच्चों का मुंह बन जाता है। इस–के लिए वे कई तरह के बहाने भी बनाते हैं। सब्जियां विटामिन,खनिज पदार्थ और एंटी-ऑक्सीडेंट से भरपूर होती है। इनकी अनदेखी करने से शरीर में कई तरह की कमियां आने लगती हैं वहीं, प्रोटीन्स, फाइबर्स और मिनरल्स से भरपूर वेजीटेबल जवां और सेहतमंद रखने में मददगार हैं।

1. कद्दू - कद्दू का नाम सुनते लोग दूर भागते हैं लेकिन इसमें फोलिक एसिड, विटामिन सी,जिंक और मैगनीज भरपूर माात्रा में शामिल होते हैं। यह स्किन और हड्डियों के लिए बहुत लाभकारी है।

2. करेला - कड़वा करेला सेहत को लिए बहुत बढ़िया है। तेजी से वजन घटाना चाहते हैं तो करेले का सेवन करें। इससे डायबिटीज और कब्ज से भी राहत मिलती है।

3. बैंगन - फाइबर से भरपूर बैंगन कोलेस्ट्रॉल लेवल को घटाने का काम करता है। इसके अलावा ब्लड शूगर के मरीजों के लिए भी यह बहुत फायदेमंद है।

4. भिंडी - भिंड़ी में फाइबर की मात्रा भरपूर और सोडियम की मात्रा बहुत कम होती है। यह कैलोरी को कम करने में मददगार है। इसके अलावा ब्लड प्रैशर और दिल के मरीजो के लिए भी यह सब्जी बहुत लाभकारी है।

5. फूलगोभी - मैग्नीज, फॉस्फोरस, विटामिन बी कंपोनेंट्स से भरपूर फूलगोभी में कैलरी, प्रोटीन और विटामिन सी की भी बहुत अच्छी मात्रा होती है। इसे अपनी डाइट में जरूर शामिल करें।

6. तरोई - हरी सब्जियो में तरोई को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। यह लिवर स्वस्थ,खून साफ, पाचन क्रिया बेहतर और किडनी के रोगों से राहत दिलाने का काम करती है।

7. फ्रेंच बीन्स - फ्रेंच बीन्स यानि फलियां विटामिन ए,सी बी आदि सहित कई खनिज पदार्थों से भरपूर होती हैं। यह वजन घटाने और पेट की समस्याओं के लिए बैस्ट है।

योग म्यूजिक सुनने से दिल रहेगा हमेशा स्वस्थ

सोने से पहले योगा म्यूजिक सुनना घातक दिल के दौरे को रोक सकता है। यह दावा एक नए शोध के आधार पर किया जा रहा है। इसके अनुसार सोने से पहले ध्यान केंद्रत करने वाला मधुर संगीत सुनने से दिल की धड़कन की परिवर्तनशीलता बेहतर होती है। इससे खतरे या विश्वाम की अवस्था में खून पम्प करने की अपनी गति बदलने का काम बेहतर ढंग से कर सकता है। इससे पिछले एक शोध से पता चला था कि दिल की धड़कन में परिवर्तनशीलता की कम क्षमता होने से दिल के दौरे या स्ट्रोक का जोखिम 45 प्रतिशत तक बढ़ जाता है, जिससे उनकी मौत होने की संभावना भी अधिक हो जाती है।

विज्ञान के अनुसार योगा के लाभ

➤ गत वर्ष अगस्त में हुए एक शोध के बाद पता चला है कि योगा सैंट्रल नर्वस सिस्टम को लाभ पहुंचाता है। रोगों से लड़ने की शक्ति को मजबूत करता है और ध्यान केंद्रण में भी मदद करता है।

➤ एक अन्य अध्ययन में पाया गया कि इस प्राचीन आध्यात्मिक अभ्यास से चिंता तथा अवसाद भी कम हो जाता है। इसके साथ ही इससे व्यक्ति अधिक सजग रहता है।

➤ योगा तनाव से निपटने में मदद करने वाले विशष्ट प्रोटीन्स तथा हार्मोंस के स्तर को भी बढ़ाता है।

➤ स्वस्थ शरीर के लिहाज से योगा और ध्यान लगाने से शरीर में सूजन कम होती है। इससे सैंट्रल नर्वस सिस्टम तथा इम्यून सिस्टम बेहतर ढंग से काम कर पाते हैं।

➤ योगा म्यूजिक सुनने से व्यक्ति की धड़कन में भिन्नता बढ़ जाती है और इससे घबराहट कम होती है। इसके साथ ही इससे आप खुश भी रहते हैं।

ध्यान लगाने के लाभ

1. मैडीटेशन यानी ध्यान लगाने से तनाव कम होता है।

2. एक रिपोर्ट के मुताबिक, ध्यान लगाने से दिल की बीमारी का जोखिम पैदा करने वाले कारण खत्म होते हैं। खासकर इससे रक्तचाप, चिंता तथा अवसाद का स्तर कम हो जाता है।

3. यह लोगों को धूम्रपान छोड़ने में भी मदद कर सकता है, जिससे दिल का घातक दौरे का खतरा कम हो जाता है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

सामंथा रुथ प्रभु ने खुद को किया टॉर्चर

इन दिनों बॉलीवुड स्टार्स की तरह ही साउथ एक्टर्स का भी दबदबा बना हुआ है। साउथ की मूवीज सिनेमा लवर्स के बीच खूब धमाल मचा रही हैं। वहीं, साउथ एक्ट्रेस सामंथा रुथ प्रभु को लेकर पूरी दुनिया में भी दीवानगी बढ़ती दिखाई दे रही है। एक्ट्रेस अपनी दमदार एक्टिंग और खूबसूरती की बदौलत लोगों दिलों पर राज कर रही हैं। वहीं, अपने फैंस से जुड़ने के लिए एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर भी काफी ज्यादा एक्टिव रहती हैं। आए दिन वो कुछ न कुछ अपने फैंस के लिए इंस्टाग्राम पर पोस्ट शेयर करती रहती हैं। हाल ही में उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी भी शेयर की है, जिसने सबका ध्यान खिंच लिया। दरअसल, लेटेस्ट स्टोरी में सामंथा रुथ प्रभु खुद को टॉर्चर करते हुए दिखाई दे रही हैं। आपको बता दे, वो आईस टब में बैठी नजर आ रही हैं। और वो ऐसा क्यों कर रही हैं ये भी जान लेते हैं। दरअसल, उन्होंने 'सिटाडेल इंडिया' के लिए कई एक्शन सीक्वेंस शूट किए हैं, जिसकी वजह से उन्हें भारी वर्कआउट करना पड़ा। वहीं, आइस बाथ ट्रीटमेंट से उन्हें काफी आराम मिलेगा। अपने लेटेस्ट पोस्ट में एक्ट्रेस बर्फ से भरे बाथटब में बैठी नजर आ रही हैं। तस्वीर शेयर करते हुए सामंथा ने लिखा, ये टॉर्चर का समय है #icebathrecovery #एक्शनमोड।

इंडस्ट्री को बर्बाद कर रही हैं बिग बजट फिल्में: नवाजुद्दीन सिद्दीकी

नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने हाल ही में बॉलीवुड में लगातार फ्लॉप हो रही फिल्मों पर बात की। उन्होंने बताया कि इसका कारण बिग बजट फिल्में और प्रोजेक्ट्स हैं, जिनमें न तो कोई कहानी होती है और न ही एक्टिंग। मेकर्स लगातार इस तरह की फिल्में परोस रहे हैं, जिन्हें ऑडियंस ने कई बार खारिज कर दिया है। नवाजुद्दीन ने बताया कि बड़े बजट की फिल्में इंडस्ट्री को लगातार बुरे दौर में ले जा रही हैं। इन फिल्मों में स्क्रिप्ट, कहानी, डायरेक्शन यहां तक की एक्टिंग भी खोखली होती है। इस समय कुछ ही फिल्में हैं जो बॉक्स-ऑफिस पर ठीक-ठाक प्रदर्शन करने में सक्षम रही हैं, लेकिन तीन फिल्मों को छोड़ दें तो 97 %फिल्में फ्लॉप हो रही हैं। इनमें से ज्यादातर बड़ी फिल्में हैं। ये वो फिल्में हैं, जो असल में इंडस्ट्री को नीचे ला रही हैं और बरबाद कर रही हैं। नवाज ने कहा- इन फिल्मों में कोई कहानी या एक्टिंग नहीं है। उनके पास सिर्फ पांच गाने हैं, जिन्हें कोरियोग्राफर ने डिजाइन किया है। या अगर किसी फिल्म में एक्शन है, तो उसे एक्शन डिजाइनर ने तैयार किया है। इसमें डायरेक्टर या एक्टर क्या कर सकता है? नवाजुद्दीन के कहा कि इंडस्ट्री में सभी को बराबर मौके देने की जगह, अभी भी मेकर्स उन एक्टर्स से साथ फिल्मों में पैसे इन्वेस्ट कर रहे हैं, जिन्हें देखने में कोई दिलचस्पी नहीं रखता है।

दबंग पुलिस ऑफिसर के रोल में दिखेंगी सोनाक्षी सिन्हा

वेब सीरीज दहाड़ का ट्रेलर रिलीज हो गया है। इस सीरीज के साथ सोनाक्षी सिन्हा ओटीटी पर डेब्यू करने जा रही हैं। दहाड़ एक सस्पेंस-क्राइम थ्रिलर सीरीज है। सीरीज में सोनाक्षी एक दबंग और स्ट्रिक्ट पुलिस ऑफिसर का रोल कर रही हैं। वहीं, नेटफ्लिक्स की सीरीज डार्लिंग्स में आलिया भट्ट और शेफाली शाह के साथ काम कर चुके विजय वर्मा सीरियल किलर की भूमिका में नजर आएंगे। ट्रेलर में दिखाया गया है कि विजय कम उम्र की लड़कियों को अपने जाल में फंसाकर उन्हें खुद अपनी जान लेने को मजबूर करते हैं। इस वजह से ये लड़कियां एक के बाद एक जहर खाकर सुसाइड कर लेती हैं। सीरीज में सोनाक्षी इसी गुत्थी को सुलझाने की कोशिश करती दिखेंगी। उनकी लैंग्वेज में कई जगह हरयाणवी टोन का टच भी है। ट्रेलर में ये भी दिखाया गया है कि पुलिस ऑफिसर की वर्दी में होने के बावजूद सोनाक्षी सिंहा के साथ भी कुछ लोग छेड़खानी कर रहे हैं।